ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–03
दिनांक– शुक्रवार, 09 जनवरी, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 17.6 एवं 4.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 99.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.0 एवं दोपहर में 18.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(10–14 जनवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 10–14 जनवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल आ सकते है तथा मौसम के शुष्क बने रहने की संभावना है। आगामी एक से दो दिनों तक कोल्ड डे जैसी स्थिति बने रहने की सम्भावना है, जिसके कारण कनकनी वाली ठंड का प्रभाव जारी रहने की आशंका है। इसके पश्चात कोल्ड डे की स्थिति में आंशिक सुधार होने की संभावना है, जबकि प्रातःकाल के समय मध्यम कुहासा छा सकता है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्तमान मौसम में आलू, मटर, टमाटर, धनिया, लहसुन एवं अन्य रबी फसलों में झुलसा रोग की नियमित निगरानी करें। बदलीयुक्त मौसम तथा वातावरण में नमी होने पर यह रोग तेजी से फैलता है। इस रोग में फसलों की पत्तियों के किनारों और सिरों से झुलसना प्रारंभ होता है, जिससे पूरा पौधा प्रभावित हो जाता है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर डाइथेन एम–45 फफूंदनाशक दवा 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर 10 दिनों के अंतराल पर 2–3 छिड़काव समान रूप से करें।
- नवंबर माह के प्रारंभ में बोई गई रबी मक्का की फसल, जो वर्तमान में 55–60 दिनों की अवस्था में है, उसमें 50 किलोग्राम नाइट्रोजन उर्वरक प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें तथा मिट्टी चढ़ाएँ। मक्का की फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडियाँ कोमल पत्तियों को खाती हैं और मध्य कलिका से तने के अंदर प्रवेश कर सुरंग बनाती हुई जड़ों की ओर बढ़ती हैं। इससे मध्य कलिका मुरझा जाती है और बाद में सूख जाती है। उपचार हेतु फोरेट 10 जी या कार्बोफ्यूरान 3 जी दवा के 7–8 दाने प्रति पौधा गाभा में डालें। अधिक प्रकोप की स्थिति में डेल्टामेथ्रिन 250–300 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- गेहूँ की फसल जो 30–35 दिनों (पहली सिंचाई के बाद) की अवस्था में हो, उसमें विभिन्न प्रकार के खरपतवार उग आते हैं जो गेहूँ की वृद्धि को प्रभावित कर उपज घटाते हैं। इनके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फ्यूरॉन 33 ग्राम तथा मेटसल्फ्यूरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टेयर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। विलंब से बोई गई गेहूँ की फसल जो 21–25 दिनों की हो गई हो, उसमें 30 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से ऊपरी खाद दें।
- सरसों की फसल में सफेद रतुआ (व्हाइट रस्ट) रोग की निगरानी करें। रोग दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरोथालोनिल दवा 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मौसम साफ रहने पर छिड़काव करें।
- प्याज की पौध जो 50–55 दिनों की हो गई हो, उसकी रोपाई तैयार खेत में पंक्ति से पंक्ति 15 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी रखते हुए करें। पौध की रोपाई अधिक गहराई में न करें। रोपाई से 10–15 दिन पूर्व 15–20 टन गोबर की खाद खेत में डालें। खेत की अंतिम जुताई के समय 60 किग्रा नाइट्रोजन, 80 किग्रा फॉस्फोरस, 80 किग्रा पोटाश तथा 40 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्ड्यू) रोग की निगरानी करें, जिसमें पत्तियों, तनों एवं फलियों पर सफेद चूर्ण जैसा दिखाई देता है। नियंत्रण हेतु कैराथेन 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या सल्फेक्स 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- सब्जी फसलों में नियमित निराई–गुड़ाई करें। बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सबसे पहले प्रभावित तनों एवं फलों को इकट्ठा कर नष्ट करें। इसके बाद स्पिनोसैड 48 ईसी दवा 1.0 मिलीलीटर प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। कीटनाशक घोल में गोंद 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अवश्य मिलाएँ।
- तापमान में गिरावट के कारण दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में आई कमी को दूर करने हेतु हरे एवं सूखे चारे के मिश्रण के साथ नियमित रूप से 50 ग्राम नमक, 50–100 ग्राम खनिज मिश्रण तथा संतुलित दाना प्रति पशु खिलाएँ। पशुओं के बिछावन के लिए सूखी घास या राख का उपयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 13.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 6.8 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 6.0 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी